सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शुक्रवार, 04 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 98, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

वक्फ संशोधन विधेयक भ्रष्टाचार, कब्जों से दिलाएगा मुक्तिः योगी

» Pg12

इनसाइड स्कूली बच्चों के लिए आधार कार्ड बना मुसीबत... » Pg04

स्मृति शेष

पूरब और पश्चिम का सितारा अस्त

87 की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए भारत कुमार

» मुंबई, एजेंसी।

फिल्मी गलियारों से एक बुरी खबर सामने आ रही है। सिनेमा जगत को तीन दशक में ढेरों सुपरहिट देने वाले दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार अब इस दुनिया में नहीं रहे।भारत कुमार कहे जाने वाले मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कुछ दिनों से मुंबई स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे।

मनोज कुमार के जाने से फिल्मी दुनिया को एक बड़ा झटका लगा है। उन्होंने जब तक बड़े पर्दे पर काम किया, तब तक उन्हें जनता के दिलों पर राज किया है। उनका जाना वाकई एक बड़ी क्षति है। उन्होंने भले ही दो दशक पहले आखिरी फिल्म की हो, लेकिन उनकी फिल्मों का असर हमेशा दर्शकों पर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मनोज कुमार का निधन शुक्रवार की सुबह हुआ है। उन्हें हार्ट से रिलेटेड कॉम्प्लीकेशंस की वजह से कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल द्वारा जारी किए गए मेडिकल सर्टिफिकेट के मुताबिक, निधन का दूसरा कारण डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस है।

मनोज कुमार के निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। फैंस के साथ-साथ सेलिब्रिटीज भी दुःख जाहिर कर रहे हैं। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने भी दिग्गज अभिनेता के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा, मनोज कुमार जी, जो दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित थे और हमारी प्रेरणा थे, अब हमारे बीच नहीं रहे। यह फिल्म उद्योग के लिए बहुत बड़ी क्षति है और पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी। 24 जुलाई 1937 को जन्मे मनोज कुमार का असली नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी था। यूं तो उन्होंने बड़े पर्दे पर कई किरदारों में जान डाली है, लेकिन उन्हें देशभक्ति से भरी फिल्मों के लिए ज्यादा पहचान मिली है। इसी वजह से उन्हें भारत कुमार कहा जाता था।

अनंत नगर आवासीय योजना का उद्घाटन

लखनऊ में अपने घर का सपना होगा पूरा

सीएम योगी ने लॉन्च की 6500 करोड़ की स्कीम, आज से ही बुक कराइए जमीन, पंजीकरण शुरू

योजना को कुल आठ खंड में विकसित किया जाएगा। हर खंड में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, शॉपिंग सेंटर, बारात घर और वेंडिंग जोन होंगे।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपना घर बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा अनंत नगर आवासीय योजना के अंतर्गत आज शुक्रवारको पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों हो गया है। 785 एकड़ में हाईटेक टाउनशिप विकसित की

जाएगी, जिसमें 18237 फ्लैट और 2485 खाली प्लाट होंगे। प्लॉट की कीमत 4100 रुपए प्रति वर्ग फीट रहेगी।

उल्लेखनीय है कि मोहान रोड स्थित अनंत नगर आवासीय योजना को कुल 785 एकड़ में 10 हजार करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है। इस योजना के जरिए विभिन्न आय वर्गों के लोगों को भूखंड प्राप्त करने का अवसर मिलेगा जिसमें मुख्य तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर आय वर्गों को तरजीह दी जाएगी। अनंत नगर योजना के अंतर्गत प्लॉट

» कमजोर आय वर्गों को दी जाएगी तरजीह।

पाने के लिए आवेदन करने और अधिक जानकारी के लिए एलडीए की वेबसाइट तथा टोल फ्री नंबर 180018005000 पर कॉल किया जा सकता है।

इसी के साथ ही, एलडीए के विभिन्न आवासीय परियोजनाओं से निर्माण और विकास से संबंधित कार्यों को गति देने और विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 147.85 करोड़ से अधिक कीमत के खाली फ्लैट्स की बिक्री का मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई स्ट्रैटेजी अपनाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। प्रक्रिया के अंतर्गत श्रवण, आद्रा, अनुभूति, सोपान एन्क्लेव फेज-2, रश्मि लोक तथा मृगशिरा अपार्टमेंट में रिक्त फ्लैट्स को बेचने का रास्ता साफ होगा।

फ्लैट्स की मार्केटिंग को लेकर नए सिरे से किया जाएगा काम

एलडीए के विभिन्न आवासीय अपार्टमेंट योजनाओं के अंतर्गत कुल 147.85 करोड़ से अधिक कीमत के खाली फ्लैट्स की बिक्री का मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई स्ट्रैटेजी अपनाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। इस कार्य को पूरा करने के लिए एक विशिष्ट टीम का गठन की प्रक्रिया जारी है जो कि खाली पड़े फ्लैट्स की मार्केटिंग, मेंटिनेंस व मेकओवर को लेकर नए सिरे से एक्शन प्लान तैयार करेगी।

कई तरह से खास है योजना

सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर एलडीए द्वारा मोहान रोड पर विकसित की जा रही अनंत नगर आवासीय योजना कई मायनों में खास होगी। यहां सभी आर्थिक वर्गों के लोगों के लिए भूखंड पाने का अवसर होगा मगर विशेष रूप से कम आय वर्ग के लोगों को यहां तरजीह दी जाएगी। यह योजना उत्तर प्रदेश की पहली एडु-टेक सिटी के नजदीक स्थित होगी इसलिए भविष्य में यह आर्थिक, व्यापारिक व सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी। इस योजना के जरिए करीब एक लाख तक की जनसंख्या को सुरक्षित व व्यवस्थित आवासीय क्षेत्र उपलब्ध कराने की योगी सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा किया जाएगा।

अनंत नगर योजना के हर खंड में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, शॉपिंग सेंटर, बारात घर और वेंडिंग जोन होंगे। योजना को कुल 8 खंड में विकसित किया जाएगा। एलडीए द्वारा मोहनलालगंज में 1197.98 एकड़ में प्रस्तावित वेलनेस सिटी तथा मोहनलालगंज में ही 1696.77 एकड़ में प्रस्तावित आईटी सिटी के अंतर्गत चिह्नित ग्रामों में भूमि अधिग्रहण के लिए आकलन की प्रक्रिया भी जारी है जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

वैभव लक्ष्मी मंदिर में खजाना पाने के लिए श्रद्धालुओं की पहुंची भीड़

पिछले 17 साल से इस मंदिर में मां वैभव लक्ष्मी के प्रसाद रूपी खजाना बांटने का काम किया जा रहा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के बिरहाना रोड स्थित वैभव लक्ष्मी मंदिर में खजाना (प्रसाद) लेने के लिए शुक्रवार को महिलाओं की भीड़ उमड़ी। पिछले 17 साल से इस मंदिर में मां वैभव लक्ष्मी के प्रसाद रूपी खजाना बांटने का काम किया जा रहा है।

बता दें, नवरात्रि के 9 दिनों में पड़ने वाले शुक्रवार को ही यहां प्रसाद बांटा जाता है खजाने के लिए सुबह 6 बजे से ही लगती है लाइन मंदि?र में सुबह 9 बजे से बंटने वाले खजाने को लेने के लिए सुबह 6 बजे महिलाओं की लाइन लगनी शुरू हो जाती है मंदिर के प्रबंधक अनूप कपूर ने बताया– 100 साल पहले 1889 में इस मंदिर का निर्माण इनके पूर्वजो ने किया था। उन दिनों मंदिर में भगवान शंकर और राधा कृष्ण का पूजन किया जाता था साल 2000 में चैत नवरात्रि? के पहले मंदिर के अंदर मां लक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित किया गया मूर्ति स्थापना के बाद माता लक्ष्मी उनकी पत्नी के सपने में आई और कहा कि चढ़ावे में जो सिक्के चढ़े उसे लाल कपडे में लपेट कर लोगों को प्रसाद के रूप में बांट दो, तभी से साल में 2 बार आने वाले नवरात्रि? में खजाना बांटा जाता है भक्त मंदिर में जो 5 रुपए, 1 रुपए या 2 रुपए के सिक्के चढ़ाते हैं, वहीं नवरात्रि? में खजाने के रूप में बांटा जाता है वर्तमान में करीब 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं को खजाना बांटा जाता है। इसकी तैयारी करीब 2 महीने पहले से ही शुरू कर दी जाती है आनंद कूपर के मुताबिक इस खजाने को तिजोरी या बक्से में रखने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है और घर में बरक्कत होती हैऔर घर में सुख शांति बनी रहती है और साथ में फीलखाना थाना प्रशासन मौजूद रहा।

लुधौरा में दो समुदायों में पथराव, आधा दर्जन घायल

» आधा दर्जन घायल, 10 नामजद समेत 25 पर रिपोर्ट, तीन उपद्रवी गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अतिसंवेदनशील कर्नलगंज थानाक्षेत्र में बुधवार देर रात एक समुदाय के दो दर्जन से अधिक लोगों ने तिलक समारोह में घुसकर जमकर उपद्रव किया। आरोपियों ने गली में आयोजन को लेकर एतराज जताया और खाना खा रहे लोगों से मारपीट शुरू कर दी। पथराव भी किया। दूसरे पक्ष के लोग एकत्रित हो गए तो उपद्रवी भागे। हमले में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। बाद में भारी पुलिस बल पहुंचा और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। कर्नलगंज पुलिस ने 10 नामजद समेत 25 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

कर्नलगंज के अति संवेदनशील क्षेत्र लुधौरा निवासी राजा की पत्नी लक्ष्मी की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को उनके बेटे शिवा का तिलक था। शिवाला मंदिर परिसर के बाहर टेंट लगाकर खाने पीने का इंतजाम किया गया था। बेटे के दोस्त यार व रिश्तेदार खाना खा रहे थे तभी देर रात इलाके के रहने वाले अदनान, बाबू, गुड्डू, बउआ, खुरशीद, नदीम, छग्गा, इमरान, गुलाम गौस व वंटू का भांजा समेत करीब 20 से 25 लोग टेंट के अंदर से निकलने लगे। मना करने पर सभी मार्ग पर आयोजन को लेकर विरोध और गाली गलौज करने लगे। खाना खा रहे अतिथियों से भी मारपीट शुरू कर दी।

फिर बाहर निकलकर ईंट पत्थर चला दिए। मारपीट व पथराव में छह लोग घायल हो गए। दूसरे पक्ष के लोग भी जुट गए तो आरोपी भाग गए। सूचना पर एसीपी समेत सर्किल फोर्स पहुंचा और आक्रोशित लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने तीन उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सेंट्रल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 10 नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी नदीम, तौहीद व आसिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल के वीडियो के जरिए अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नगर निगम: स्वच्छ ही सेवा अभियान 2024 में यूपी में दूसरा और स्वच्छ घाट में तीसरा स्थान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम ने स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छ घाट प्रतियोगिता में बाजी मारी है। नगर निगम को यूपी में दूसरा और स्वच्छ घाट में तीसरा स्थान मिला है। उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर आयुक्त को शुक्रवार को नगर विकास मंत्री सम्मानित करेंगे। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि निदेशक नगर निकाय की ओर से जानकारी दी गई है। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े में नगर निगम ने काफी बेहतर काम किया है, इसलिए पूरे यूपी में दूसरा स्थान मिला है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा एक से 15 अक्तूबर 2024 तक चला था। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रभारियों को भेजकर एक-एक कार्यक्रमों का सत्यापन कराया था। इसमें उन्होंने गंगा घाट की मानीटरिंग की थी। कूड़ा घरों को भी देखा था। इसे लेकर प्रदेश सरकार ने रैंक जारी की है। इसमें स्वच्छता ही सेवा 2024 के लिए कानपुर नगर निगम को दूसरा स्थान मिला है। नंबर एक पर मथुरा और तीसरे पर अयोध्या रहा।

इसी तरह से स्वच्छ घाट में पूरे उत्तर प्रदेश में कानपुर को तीसरा स्थान मिला है।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार के प्रयास रंग ला रहे हैं

यात्रियों की सुविधाओं के लिए कानपुर से आठ नई स्पेशल ट्रेनें

टिकट बुकिंग शुरू हो गई है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रेलवे प्रशासन ने गर्मी के मौसम में यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए नई स्पेशल ट्रेनों की यात्रियों की सुविधाओं को देने का निर्णय लिया है। रेलवे ने आठ नई स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इन गाड़ियों का संचालन बांद्रा टर्मिनस, ग्वालियर, उदयपुर सिटी और दिल्ली के लिए किया जाएगा। सभी ट्रेनों का सेंट्रल स्टेशन पर पांच से दस मिनट का स्टॉपेज होगा। यात्रियों के लिए इन ट्रेनों में रिजर्वेशन की सुविधा शुरू हो गई है। नई दिल्ली से रांची के लिए ट्रेन संख्या 02878 हर रविवार छह अप्रैल से 29 जून तक चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से सुबह चार बजे रवाना होगी और सेंट्रल स्टेशन पर 9-50 बजे पहुंचेगी। यह अगले दिन सुबह पांच बजे रांची पहुंचेगी। उदयपुर सिटी से ट्रेन संख्या 09623 स्पेशल हर मंगलवार को आठ अप्रैल से 29 अप्रैल तक चलेगी। यह ट्रेन दोपहर 4-05 बजे उदयपुर से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 8-20 बजे गोविंदपुरी स्टेशन पहुंचेगी। फारबिसगंज में यह ट्रेन सुबह 5-30 बजे पहुंचेगी। ग्वालियर से ट्रेन संख्या 04137 स्पेशल हर रविवार और बुधवार को छह अप्रैल से 29 जून तक चलेगी। यह ट्रेन सुबह 7-10 बजे ग्वालियर से रवाना होगी और गोविंदपुरी में दोपहर 3-20 बजे पहुंचेगी। अगले दिन सुबह आठ बजे बरौनी पहुंचेगी। सूबेदारगंज से ट्रेन संख्या 04125 स्पेशल हर सोमवार सात अप्रैल से 30 जून तक सुबह 5-20 बजे चलेगी। गोविंदपुरी में यह सुबह आठ बजे पहुंचेगी। बांद्रा टर्मिनस से रिवर्स ट्रेन 04126 हर मंगलवार आठ अप्रैल से सात जुलाई तक चलेगी।

मनमानी फीस समेत कई 'लूट' पर डीएम का चाबुक

» **स्कूल प्रबंधन पर 5 लाख जुर्माना, रद्द होगी मान्यता**

» **एक ही बार लिया जाएगा प्रवेश शुल्क**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यह खबर सभी को खुश करने वाली है। मनमानी फीस, यूनीफार्म, किताबें और जूते समेत अन्य सामान एक विशेष दुकान से ही खरीदनें की बाध्यता पर अब सख्त कार्यवाही प्रशासन करने की तैयारी कर रहा है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्कूल प्रबंधन को सख्त हिदायत दी है कि अभिभावकों का किसी भी तरह का उत्पीडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक ही बार लिया जाएगा प्रवेश शुल्क

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रवेश शुल्क विद्यालय में प्रथम बार नये प्रवेश के समय ही लिया जायेगा। परीक्षा शुल्क केवल परीक्षाओ के लिए ही लिया जायेगा। विद्यालय द्वारा ली जाने वाली फीस में परिवहन फीस,बोर्डिंग फीस,मेस या डाइनिंग फीस व शैक्षिक भ्रमण फीस मद भी सम्मिलित होगे।

प्रवेश शुल्क वापस किया जायेगा

विद्यालय में प्रवेश के समय लिया गया प्रवेश शुल्क छात्र/छात्रा के विद्यालय छोडने के समय वापस किया जायेगा। प्रत्येक विद्यालय शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने के पूर्व सक्षम अधिकारी को आगामी शैक्षिक वर्ष ली जाने वाली फीस का विवरण प्रेषित किया जायेगा।

विशेष दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य न किया जाये

विद्यालय शैक्षिक सत्र में छात्र/छात्राओं के प्रवेश प्रारम्भ होने के साठ दिन पूर्व अपनी बेवसाइट पर फीस का विवरण अपलोड करेगें एव सूचना पट्ट पर प्रकाशित करेगें। विद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क नही लिया जाएगा। छात्र/छात्रा से जो फीस ली जाये उसकी रसीद विद्यालय द्वारा दी जायेगी। विद्यालय द्वारा किसी छात्र/छात्रा को पुस्तकें, जूते, मोजे व यूनीफार्म आदि किसी विशेष दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य न किया जाये। विद्यालय द्वारा निर्धारित यूनिफार्म को पाँच वर्ष के अन्तर्गत परिवर्तन नही किया जायेगा।

शिकायत का निस्तारण स्कूल प्रबंधक 15 दिनों में करे

नया सत्र शुरू होते ही स्कूलों में मनमानी फीस व कॉपी-किताबों पर कमीशनखोरी के मामले को लेकर कानपुर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अख्तियार किया है। डीएम ने कहा कि अभिभावकों की शिकायत का निस्तारण स्कूल प्रबंधक 15 दिनों में करे। निराकरण न होने पर जनपदीय शुल्क नियामक समिति में अपील करें।

5 लाख का दंड

डीएम ने कहा कि पहली बार गलती पाए जाने पर स्कूलों को एक्सेस शुल्क वापस करना होगा, साथ ही एक लाख का दंड किया जाएगा। दोबारा गलती मिलने पर 5 लाख दंड का प्रावधान रखा गया है। तीसरी बार नियमों का उल्लंघन करने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने की संस्तुति की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल गाइड लाइनों का पालन करें।

इन शैक्षिक संस्थानों पर लागू होगा अधिनियम

जिलाधिकारी के यह निर्देश उप्र बेसिक शिक्षा परिषद, उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद, सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी और आईजीसीएसई बोर्ड से समस्त स्व वित्तपोषित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट कॉलेजो पर लागू होंगे ।

5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी वेतन वृद्धि

स्कूलों द्वारा परिवहन, बोर्डिंग, मेस व शैक्षिक भ्रमण फीस ही ली जाएगी। प्रवेश के समय लिया गया प्रवेश शुल्क स्कूल छोड़ने पर वापस किया जाएगा। सभी स्कूलों में निर्धारित यूनीफार्म को 5 साल तक बदला नहीं जाएगा। शिक्षकों व कर्मचारियों के मासिक वेतन में 5 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नहीं होगी।

स्कूली बच्चों के लिए आधार कार्ड बना मुसीबत

आधार कार्ड नहीं बन पाने के चलते कई स्कूलों में नहीं हो पा रहा दाखिला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिले के लिए भले ही आधार कार्ड अनिवार्य न हो लेकिन स्कूल में मिलने वाली कुछ सरकारी योजनाओं के लाभ लेने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता होती है। ऐसे में शिक्षक मजबूरीवस बिना आधार नंबर वाले बच्चों को प्रवेश नहीं दे रहे हैं बल्कि उनका एक सप्ताह के अंदर आधार कार्ड बनवाने का अभिभावकों से अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में बिना आधार वाले बच्चों के दाखिले का संकट और गहरा गया है। कई स्कूलों ने बिना आधार वाले बच्चों का दाखिले देने से मना कर दिया है। कुछ स्कूल वाले अभिभावकों को 15 दिन में आधार बनवाकर देने की शर्त पर बच्चों को स्कूल में सिर्फ बैठने की इजाजत दे रहे हैं लेकिन दाखिला तभी देंगे जब आधार बनाकर देंगे।

गैर जिलों व प्रदेशों से आए मजदूरों के बच्चों के पास निवास और जन्म प्रमाणपत्र नहीं होने से आधार बनने में अड़चनें आ रही है। नए सत्र के 4 दिन में स्कूलों में बिना आधार वाले करीब एक सैकड़ा बच्चे दाखिले के लिये पहुंचे हैं लेकिन इनके दाखिले अभी नहीं हुए हैं। बीते वर्ष करीब 11 हजार से अधिक बच्चों के आधार नहीं बने होने से अपार आईडी, यू डायस और डीबीटी के तहत यूनीफार्म का पैसा इन्हें मिल सका था।

बिना आधार अपार आईडी और यू डायस में नहीं होगी एंट्री-

जनपद में 1925 परिषदीय स्कूल संचालित हो रहे हैं। एक अप्रैल से नया सत्र शुरू हो गया है। विभागीय अधिकारी बच्चों के दाखिले बढ़ाने के लिये शिक्षकों से स्कूल चलो अभियान और प्रभात फेरी निकालने के निर्देश जारी कर चुके हैं। अभिभावक बच्चों के दाखिले दिलाने के लिये स्कूल आ रहे हैं लेकिन कुछ बच्चों के पास आधार नहीं होने से शिक्षक इनका नाम लिखने से मना कर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि यदि इन बच्चों को दाखिले दे दिया तो अपार आईडी और यू डायस पर एंट्री कैसे करेंगे ? इससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बिना आधार के छात्र-छात्राओं को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। फरवरी माह में अपार आईडी नहीं बनने पर बीएसए ने शिक्षकों को कड़ी फटकार लगाई थी। इससे शिक्षकों में भारी आक्रोश रहा। यही वजह है कि शिक्षक बिना आधार वाले बच्चों के दाखिले नहीं ले रहे हैं।

पार्षद, ग्राम प्रधान, विधायक भी नहीं लिखकर देते पत्र

मजूदरों का कोई स्थायी निवास नहीं होने की वजह से पार्षद, ग्राम प्रधान, विधायक भी निवास प्रमाण पत्र के लिये लिखकर नहीं देते हैं। इससे इनके आगे निवास व जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में बड़ी अड़चन आ रही है। आधार नहीं बन पा रहा है जिस कारण इनके बच्चों के दाखिले नहीं हो पा रहे हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा का कहना है कि प्रत्येक बीआरसी केंद्र पर परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले या नामांकन करने वाले बच्चों के आधार बनाने की व्यवस्था है। दाखिला लेने वाले जिन बच्चों के आधार नहीं बने हैं। स्कूलों के प्रधानाध्यापक अभिभावकों की मदद से इन बच्चों के आधार बनवा सकते हैं। इसके पहले आधार बनाना और संशोधन आसान था। इसके पहले अभिभावक से शपथ पत्र बनवाकर प्रधानाध्यापक की संस्तुति पर आधार बन जाता था। अब जन्म प्रमाण पत्र के बिना आधार नहीं बन पा रहे हैं। इसे सरल करना चाहिए साथ ही प्रधानाध्यापक द्वारा प्रमाणित पत्र से भी आधार कार्ड बनाए जाने चाहिए।

बिल्हौर में गर्मजोशी के साथ नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

» पुराना कानपुर के पार्षद रहे म प्रथम आगमन पर मंधना से लेकर अरौल तक दर्जनों स्थानों पर भाजपाइयों ने की अगवानी

» कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष को फूलमालाएं पहनाई और मिठाई भी खिलाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। भाजपा के नवनियुक्त कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक उपेंद्र पासवान का गुरुवार को बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में प्रथम आगमन पर मंधना से लेकर अरौल तक दर्जनों स्थानों पर भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट किए व फूल मालाओं से लाद दिया।

बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर के साथ मंधना से चला नव नियुक्त जिलाध्यक्ष का काफिला जब बिल्हौर पहुंचा तो भाजपा नेता पूर्व जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश कटियार(जेपी) के साथ दर्जनों भाजपाइयों ने फूलों की वर्षा कर अध्यक्ष का गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विक्रम मिश्रा, मकनपुर ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन,रिंकू कटियार,सिपाहीलाल कठेरिया, बरांडा जिला पंचायत सदस्य महमूद अली, अर्जुन, मन्नत समेत कई भाजपाई मौजूद रहे। इसके बाद जिलाध्यक्ष का काफिला बिल्हौर कस्बे में पहुंचा जहां कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद मकनपुर मोड़ के पास स्थित एक गेस्ट हाउस में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकरियों ने स्वागत किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष रामशरण कटियार, अरुण अवस्थी उर्फ़ बापू,अनुज अवस्थी,मोंटी, हितेश भदोरिया, एडवोकेट अमित तिवारी, गोविंद नारायण शुक्ला, गुल्लू, श्री प्रबंध दुबे समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। नए जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है वह उस पर शत-प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करेंगे और पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाएंगे।

सम्पादकीय

मोदी की नागपुर यात्रा के निहितार्थ

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा।वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है। राजनीतिक पंडितों को तब आश्चर्य नहीं होगा यदि पार्टी के नये अध्यक्ष के चयन में संघ की मोहर लगे। यह भी हकीकत है कि लोकसभा चुनाव में अपने बलबूते पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण पार्टी की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ी है।

नेपाली राजशाही के लिए हिंसक प्रतिरोध के निहितार्थ

पुष्परंजन

नेपाल की राजनीति में राजशाही की वापसी की चर्चाएं फिर से गरमाई हैं, लेकिन इस सवाल के साथ कि क्या 80 की उम्र में ज्ञानेंद्र सत्ता का सुख भोग पाएंगे, और उनके परिवार का भविष्य क्या होगा।

वो गुज़रा ज़माना था, जब राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या की एक झलक पाने, और उनकी आवाज़ सुनने के लिए लोग उमड़ पड़ते थे। वर्ष 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद भी बीरेंद्र की आभा फीकी नहीं पड़ी थी, जब उन्होंने अपनी पूर्ण सत्ता त्याग दी थी, और राजनीतिक दलों को राज्य के मामलों का प्रभार सौंप दिया था। यहां तक, कि माओवादियों ने भी, जिन्होंने कड़ी मेहनत से हासिल की गई राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह छेड़ा था, राजा की ज्यादा आलोचना नहीं की।

न ही उन्होंने शुरू में रॉयल नेपाल आर्मी पर हमला किया, जबकि देश भर में पुलिस चौकियों पर हमले हो रहे थे।इसके बाद नेपाली राजशाही के 240 साल के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्यमय और दुर्भाग्यपूर्ण पल सामने आया। वर्ष 2001 में बीरेंद्र के परिवार को भारी सुरक्षा वाले शाही महल में गोली मार दी गई। इसके बाद शुरू शाही जांच में तत्कालीन युवराज दीपेंद्र को नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि वे कुछ दिनों तक बेहोश रहे, उन्हें कोमा में राजा घोषित किया गया, और उनकी मृत्यु हो गई। यह जांच बीरेंद्र के दो भाइयों में से पहले, ज्ञानेंद्र की निगरानी में हुई। ज्ञानेंद्र की नीयत पर सवाल भी उठाये गए। फिर जांच की लीपापोती हो गई।

ज्ञानेंद्र और उनके पुत्र प्रिंस पारस की सार्वजनिक छवि उतनी अच्छी नहीं थी। लोग यह मानने को तैयार नहीं थे कि युवराज दीपेंद्र ने अकेले ही अपने पिता, माता, भाई, बहन और दादी को गोली मार दी होगी। दरबार हत्याकांड विदेशी षड?यंत्र भी साबित नहीं हो पाया। ज्ञानेंद्र 1950 के दशक में पहली बार चार साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे थे। तब ज्ञानेंद्र के दादा, राजा त्रिभुवन ने राणाओं के खिलाफ विद्रोह किया था, और दिल्ली निर्वासित हो गए थे। हालात ने उन्हीं ज्ञानेंद्र को 4 जून, 2001 को दोबारा से ताज पहनने का अवसर दिया। ज्ञानेंद्र ने पांच साल के कालखंड में लोकतांत्रिक ताकतों को अलग-थलग कर दिया। अंततः सत्ता में आये माओवादियों ने 28 मई, 2008 को नेपाल की संविधान सभा के ज़रिये राजशाही समाप्त कर दी। लेकिन, पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र और उनके परिवार को आवास, सुरक्षा सुविधाएं शासन द्वारा दिया जाना जारी रहा।नेपाल में जब तक राजाशाही थी, नरेश भगवान विष्णु के अवतार और हिन्दू राष्ट्र के संरक्षक माने जाते थे। विगत कुछ वर्षों से राजशाही समर्थक हिंदू राष्ट्र की वापसी के एजेंडे को सुलगाने लगे थे। 11 मार्च, 2025 को खबर आई कि नेपाल में इस एजेंडे के समर्थकों ने राजा ज्ञानेंद्र के साथ उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर भी लहराते हुए नारे लगाए। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र उससे पहले, 30 जनवरी, 2025 को गोरखपुर अपने इष्ट देव, गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आये थे, तब उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। गत 1 अप्रैल, 2014 को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता अशोक सिंघल ने कहा था, कि अगर नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हैं, तो नेपाल हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। फिर चौतारा में एक मंच योगी आदित्यनाथ के साथ साझा करते हुए, अशोक सिंघल ने वही बात दोहराई कि हिन्दू राष्ट्र और राजतंत्र की वापसी होगी। 17 नवंबर, 2015 को 89 वर्ष के अशोक सिंघल, गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में सिधार गए, नेपाल को हिन्दू राष्ट्र दोबारा से बनाने का सपना अधूरा रह गया।

इस बीच, परदे के पीछे से ज्ञानेंद्र के लोग दिल्ली दरबार से संपर्क साधते रहे. अपरोक्ष रूप से ज्ञानेंद्र ने अपने दो निकटस्थ ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. कर्ण सिंह से भी राजशाही वापसी में मदद की उम्मीद तोड़ी नहीं थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां, माधवी राजे (किरण राज्य लक्ष्मी देवी), नेपाल के शाही परिवार से थीं। और डॉ. कर्ण सिंह की पत्नी महारानी यशो राज्य लक्ष्मी नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर परिवार से। दोनों अब दिवंगत हैं, लेकिन नेपाल के शाही परिवारों से भारतीय रजवाड़ों का भावनात्मक रिश्ता बरक़रार है।

अंतरिक्ष मिशनों के लिए नये ऊर्जा विकल्प

कोल्ड फ्यूजन

डॉ. शशांक द्विवेदी

कोल्ड फ्यूजन के जरिए अगर एक छोटा, हल्का और लंबे समय तक चलने वाला ऊर्जा स्रोत बनाया जा सके, तो सैटेलाइट्स का जीवनकाल बढ़ सकता है। यह तकनीक ईंधन की जरूरत को कम कर सकती है और अंतरिक्ष मिशनों को अधिक कुशल बना सकती है।

अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स को निर्बाध ऊर्जा प्रदान करने में कई चुनौतियां होती हैं। अधिकतर सेटेलाइट्स सौर पैनलों से ऊर्जा प्राप्त करते हैं, लेकिन जब वे पृथ्वी की छाया में आते हैं (जैसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में), तो उन्हें ऊर्जा नहीं मिल पाती। यह समस्या पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाले लो-अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट्स में अधिक होती है

क्योंकि वे बार-बार छाया में आते हैं। अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स की उम्र बढ़ाने, उन्हें निर्बाध ऊर्जा प्रदान करने, उनके भार में कमी लाने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्रदान करने के उद्देश्य से विज्ञानी अब कोल्ड फ्यूजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। हैदराबाद स्थित स्टार्ट-अप 'हाइलेनर टेक्नोलॉजीज' जल्द ही अंतरिक्ष में बिजली उत्पन्न करने के लिए इस तकनीक का प्रदर्शन करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य पृथ्वी की कक्षा में सेटेलाइट्स के जीवन को बढ़ाना और उनका वजन कम करना है। साथ ही अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन को सक्षम बनाने और अन्य ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने का इसका उद्देश्य है।कोल्ड फ्यूजन तकनीक, जिसे सामान्यतः 'लो-एनर्जी न्यूक्लियर रिएक्शन' के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी अवधारणा है जो परमाणु संलयन को कम तापमान और दबाव पर

संभव बनाने का दावा करती है। अगर यह तकनीक व्यावहारिक रूप से लागू हो सके, तो यह सैटेलाइट्स के लिए ऊर्जा उत्पादन में क्रांति ला सकती है। वर्तमान में सैटेलाइट्स मुख्य रूप से सौर ऊर्जा या रेडियोएक्टिव थर्मल जनरेटर पर निर्भर करते हैं,

लेकिन इनकी सीमाएं हैं—सौर पैनल सूरज की रोशनी पर निर्भर करते हैं और आरटीजीएस की ऊर्जा धीरे-धीरे कम होती जाती है। कोल्ड फ्यूजन के जरिए अगर एक छोटा, हल्का और लंबे समय तक चलने वाला ऊर्जा स्रोत बनाया जा सके, तो सैटेलाइट्स का जीवनकाल बढ़ सकता है। यह तकनीक ईंधन की जरूरत को कम कर सकती है और अंतरिक्ष मिशनों को अधिक कुशल बना सकती है।

कोल्ड फ्यूज़न का विचार पहली बार 1989 में वैज्ञानिकों मार्टिन फ्लाइशमैन और स्टैनली पॉन्स द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने एक साधारण प्रयोगशाला प्रयोग में ड्यूटेरियम (हाइड्रोजन का एक समस्थानिक) को पैलेडियम धातु में संलयन करके अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न की। हालांकि, उनके प्रयोग को दोहराने की कोशिश करने वाले कई वैज्ञानिक असफल रहे, जिसके कारण इस दावे पर संदेह बढ़ गया। पारंपरिक परमाणु संलयन में, हाइड्रोजन के समस्थानिक जैसे ड्यूटेरियम और ट्रिटियम को अत्यधिक उच्च तापमान पर एक साथ लाया जाता है ताकि उनके बीच का कूलम्ब बैरियर पार हो सके। यह बैरियर दो धनात्मक आवेशित नाभिकों के बीच उत्पन्न होने वाली प्रतिकर्षण शक्ति है। कोल्ड फ्यूज़न में, यह प्रक्रिया बिना उच्च तापमान के, सामान्य परिस्थितियों में हो सकती है।

हाइलेनर टेक्नोलॉजी ने कम ऊर्जा वाले परमाणु रिएक्टर (एलईएनआर) का परीक्षण करने के लिए एक अन्य नवोदित फर्म टेकमी2स्पेस सेटेलाइट्स के साथ समझौता किया है। इसका उपयोग अंतरिक्ष में डाटा केंद्रों को संचालित करने के लिए किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'क्यूबसैट पर ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) बहुत अधिक गर्मी उत्पन्न करते हैं। हम उस गर्मी का दोहन करने और इसे सेटेलाइट में उपयोग करने योग्य ऊर्जा के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन और आफ-ग्रिड बिजली समाधानों के लिए नई संभावनाएं खुल सकती हैं।'

हीटवेव से बचें, शरीर को ठंडा-ठंडा रखें!

गर्मी की शुरुआत हो चुकी है अभी से गर्मी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। अगर आप गर्मी के दिनों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं तो ये तरीके आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इनके बारे आपको बताते हैं।

गर्मियों का मौसम आ चुका है और इसी के साथ हीट स्ट्रोक और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी होने लगी हैं। गर्मी के दिनों में न सिर्फ बाहर का वातावरण गर्म होता है बल्कि हमारा शरीर खुद भी अंदर से बहुत गर्म हो जाता है। जब हमारा शरीर अंदर से गर्म हो जाता है तो हमें थकान और हीट स्ट्रोक जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने का भी खतरा रहता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इन उपायों के बारे में बताते हैं।

पानी और जूस पीते रहें

अगर आप इन गर्मियों के दिनों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो आपको पानी पीते रहना चाहिए। गर्मियों के दिनों में यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप सामान्य से ज़्यादा पानी पिएं। इतना ही नहीं, आपको इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन भी शुरू कर देना चाहिए। ऐसे पेय पदार्थ आपके शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं। नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करें अगर गर्मी के मौसम में आपका शरीर अंदर से बहुत ज़्यादा गर्म हो रहा है, तो आपको नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं, तो आपके शरीर का तापमान नियंत्रण में रहता है। अगर नहाने के बाद भी आपको बहुत ज़्यादा गर्मी लग रही है, तो आप अपनी कलाई, गर्दन, माथे और पैरों पर कूलिंग पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको गर्मी से राहत मिलती है।

हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां खाएं

अगर आप गर्मियों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप अपनी डाइट में हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां शामिल करना शुरू कर दें। जब आप अपनी डाइट में खीरा, तरबूज़ और खट्टे फल शामिल करते हैं, तो आपको गर्मी से काफ़ी राहत मिलती है।

हल्के और ढीले कपड़े पहनने से आराम मिल सकता है

गर्मी के इन दिनों में आप किस तरह के कपड़े पहनते हैं, इसका आपके शरीर के तापमान पर गहरा असर पड़ता है। आपको हल्के और ढीले कपड़े चुनने चाहिए ताकि आपके शरीर का तापमान न बढ़े, दिनभर ठंडक बनी रहे।

नवरात्रि में करें दर्शन, मिलेगा आशीर्वाद अपार!

चैत्र नवरात्रि में 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस बार 30 मार्च 2025 से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हुई है। जोकि 06 अप्रैल को समाप्त होंगे। इस दौरान देश के दुर्गा मंदिरों में अलग-अलग तरीकों से नवरात्रि का सेलिब्रेशन होता है।

भारत में कई ऐसे फेमस मंदिर हैं, जहां पर नवरात्रि के पर्व को बेहद भव्य तरीके से मनाया जाता है। नवरात्रि में गरबा, डांडिया और भव्य पंडाल सजाए जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप नवरात्रि के मौके पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भारत में कई ऐसे फेमस मंदिर हैं, जहां पर नवरात्रि के पर्व को बेहद भव्य तरीके से मनाया जाता है। नवरात्रि में गरबा, डांडिया और भव्य पंडाल सजाए जाते हैं। वहीं कुछ मंदिर नवरात्रि पूजा के लिए फेमस हैं।

ऐसे में अगर आप भी इस नवरात्रि को खास बनाना चाहते हैं, तो हम आपको कुछ मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप नवरात्रि के मौके पर दर्शन के लिए जा सकते हैं। कालीघाट मंदिर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल कोलकाता की दुर्गा पूजा पूरी दुनिया में फेमस है।

कोलकाता की कालीघाट मंदिर में नवरात्रि का एकदम अलग नजारा होता है। राज्य में हर जगह मां दुर्गा के पंडाल लगते हैं और औरतें इस दिन महिलाएं विशेष रूप से तैया होती हैं। यहां पर नवरात्रि पर सिंदूर की होली खेली जाती है।

कोलकाता में स्थित कालीघाट मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। चैत्र नवरात्रि के मौके पर यहां पर आरती, भंडारे और विशेष यज्ञ होता है।

वैष्णो देवी, जम्मू-कश्मीर

मां वैष्णों देवी मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है।?

वैसे तो यहां पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती हैं। नवरात्रि के मौके पर मां विध्यवासिनी मंदिर में एक अलग नजारा देखने को मिलती है। मां के दर्शन के लिए भक्तों को कठिन चढ़ाई करनी होती है।

नवरात्रि के मौके पर वैष्णों देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

विंध्याचल धाम, उत्तर प्रदेश

वहीं नवरात्रि के मौके पर यूपी के मिर्जापुर जिले में मां विंध्यवासिनी मंदिर को अच्छे तरीके से सजाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मां विंध्यवासिनी अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। वहीं चैत्र नवरात्रि पर मंदिर में मेला भी लगता है

अंबाजी मंदिर, गुजरात

बता दें कि गुजरात के अंबाजी मंदिर को शक्ति उपासना के लिए बेहतर माना जाता है। चैत्र नवरात्रि के मौके पर इस मंदिर में विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। इस दौरान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है और गरबा भी होता है।

कामाख्या देवी मंदिर, असम

नवरात्रि पर असम का कामाख्या देवी मंदिर भी श्रद्धालुओं से भरा रहता है। यह मंदिर तांत्रिक सिद्धियों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां पर नवरात्रि के मौके पर विशेष पूजा-अर्चना और यज्ञ आदि किए जाते हैं। मां कामाख्या का आशीर्वाद पाने के लिए भक्त मंदिर की परिक्रमा करते हैं।

कन्या पूजन, सुख-शांति और समृद्धि की धुन!

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं।

चैत्र नवरात्रि पर्व की शुरुआत 30 मार्च से सर्वार्थसिद्धि योग में हुई और नवरात्रि 6 अप्रैल तक रहेंगे। चैत्र नवरात्रि की धूम पूरे देश में है। माता की भक्ति में लीन भक्तों को अब अष्टमी और रामनवमी का इंतजार है।

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी 5 अप्रैल और रामनवमी 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। अष्टमी और रामनवमी पर कन्याओं को भोजन कराया जाता है। वहीं इसका समापन 6 अप्रैल को होगा। नवरात्र के दौरान अलग-अलग दिनों में देवी दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है।

इन नौ दिनों में अष्टमी और नवमी तिथि सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। व्रत रखने वाले भक्त कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। कन्याओं को देवी मां का स्वरूप माना जाता है।

कन्या भोज के दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नही होती और उसका जीवन उन्नतशील रहता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करके उन्हें भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते

हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक उम्र की नौ कन्याओं को भोजन कराने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को च?एं। इसके बाद कन्या भोज और पूजन करें। कन्या भोजन न करवा पाएं तो भोजन बनाने का कच्चा सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हें भेंट कर सकते हैं।

कन्या पूजन महाष्टमी और रामनवमी

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन या कुमारी पूजा, महाष्टमी और रामनवमी दोनों ही तिथियों को किया जाएगा। महाष्टमी को मां महागौरी और रामनवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। जिन घरों में महाष्टमी और महानवमी की पूजा होती है, वहां इस दिन कन्याओं को भोजन करवाया जाता है और उन्हें गिफ्ट बांटे जाते हैं।

पुराणों में है कन्या भोज का महत्व

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोज के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं।

कन्या और देवी के शस्त्रों की पूजा

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए।

डीएम के दरबार में पहुंचा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी का मामला

- राम सहाय कॉलेज की मनोविज्ञान प्रवक्ता ने सुनाई आपबीती
- न्याय न मिलने से निराश होकर बोलीं आत्महत्या के आतें हैं विचार
- डीएम ने जेडी को फोनकर दिए कार्रवाई करने के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जिलाधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को उस समय विचित्र स्थिति उत्पन्न हो गई जब सरकारी सिस्टम के नकारेपन से निराश मनोविज्ञान की प्रवक्ता डीएम के सामने न्याय की फरियाद लेकर पहुंच गई। जिस पर डीएम ने कहा कि मनोविज्ञान की प्रवक्ता होने के नाते तुम्हें लोगों की काउंसलिंग करनी चाहिए और तुम खुद प्रशासनिक स्तर पर न्याय न मिल पाने के कारण आत्महत्या करने की सोच रही हो,ये अच्छी बात नहीं है। तुम्हें खुद को समझाना और अन्याय से लड़ना आना चाहिए। माहौल को हल्का फुल्का करने के लिए डीएम ने पीड़िता से विस्तारपूर्वक बात की और संयुक्त शिक्षा निदेशक को तत्काल फोन कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

कुछ इस अंदाज़ में फरियादी से मिले डीएम जीतेन्द्र प्रताप सिंह

डीएम को दिए गए शिकायती पत्र में राम सहाय इंटर कॉलेज बैरी शिवराजपुर, कानपुर नगर की मनोविज्ञान प्रवक्ता आरती यादव ने बताया कि वह करीब दो साल तक कालेज की कार्यवाहक प्रधानाचार्य रह चुकी है। वर्ष 2022 में माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड से सुकान्त सरकार की प्रधानाचार्य पर पर स्थायी नियुक्ति हो जाने पर वह अपने प्रवक्ता के मूल पद पर चली गई थी। बताया कि पारिवारिक कारणों के चलते सुकांत सरकार ने अपने ही घर पर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें संस्था के ही कुछ लोगों (जो कि उक्त की आत्महत्या की पूर्व संध्या पर भी उनके घर गए थे) ने मृतक प्रधानाचार्य की पत्नी श्रीमती जया सरकार को गलत ढंग से समझा-बुझाकर उनके खिलाफ धारा- 306 आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आपराधिक मामला दर्ज करा दिया था। ताकि किसी तरह उनकी बजाय उनसे कनिष्ठ प्रवक्ता मनोज पटेल को कार्यवाहक प्रधानाचार्य पद पर बिठाकर मनमानी कर सकें। आरोप लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के कुछ लिपिकों की सांठगांठ से उक्त लोग अपनी साजिश में सफल भी हो गए। इसी क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से पत्रांक/ मा०-4/ 4070-71/2023-24 दिनांक 26.07.2023 को इस आशय का पत्र जारी किया गया कि जब तक वरिष्ठतम प्रवक्ता आरती यादव निर्दोष साबित नहीं हो जाती तब तक कनिष्ठ प्रवक्ता मनोज पटेल कार्यवाहक प्रधानाचार्य पद पर रहेंगे। उनके निर्दोष साबित होते ही उक्त आदेश स्वतः समाप्त समझा जाएगा। न्यायालय ने मुकदमा संख्या-2967/23 दि0 15/04/2024 को पुलिस की अन्तिम जांच आख्या को स्वीकार करते हुए फाइनल आदेश जारी कर दिया। जिसमें वह पूर्णतः निर्दोष साबित हुई। बाद में उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाली स्व० सुकान्त सरकार की पत्नी जया सरकार ने भी न्यायालय में हलफनामा देकर कहा कि कुछ लोगों के कहने पर मैंने रिपोर्ट लिखवा दी थी। मुझे वास्तविकता की जानकारी नहीं थी। बकौल आरती उनके बार - बार प्रत्यावेदन देने के वावजूद शिक्षा विभाग के अधिकारी उन्हें कनिष्ठ प्रवक्ता के निर्देशन में कार्य करने को विवश करके साजिश करने वालों का सहयोग देते प्रतीत हो रहे हैं। जब उन्हें एहसास हो गया कि महिला होने के अपने सम्मान- स्वाभिमान को बचाए रखते हुए उसे शिक्षा विभाग अधिकारियों से न्याय नहीं मिलेगा। तब उन्होंने माननीय उच्च न्यायालय में दस्तक दी। न्यायालय की लम्बी प्रक्रिया और शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा गुमराह करने वाले पत्राजातों के प्रस्तुतीकरण के कारण वह पूरी तरह निराश हो चुकी है। और आएदिन होने वाले उत्पीड़न से इस कदर टूट गई है कि मन में बार-बार आत्महत्या करने के विचार आ रहे हैं।

.जब डीएम बोले मैं भी परेशान रहता हूँ छुट्टी के लिए

कानपुर। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने जब आरती यादव के हाल ही में प्रकाशित काव्य संग्रह अस्तित्व का यज्ञ के पन्नों को अपने हाथों से पलटने की कोशिश की तो अचानक उनकी नजर छुट्टी कविता के पन्ने पर आकर ठहर गई। उन्होंने आरती को सामने से बुलाकर अपने समीप बिठाते हुए कहा कि छुट्टी के लिए तो मैं भी परेशान रहता हूं। आप छुट्टी का काव्य पाठ कर दीजिए। जिसमें उन्होंने अपनी कविता छुट्टी कुछ इस अंदाज में प्रस्तुत की।

छुट्टी ... मतलब... कुछ घंटे, कुछ दिन कुछ महीने, वर्ष कुछ फुरसत के कर सकें जब मन भर मन का जी सकें जी भर जी का बिसराकर न केवल जिम्मेदारियां बल्कि लोगों को भी
छुट्टियों का भाव पर्याप्त है छुट्टी करने में हर काम, बेकाम का
आते ही मस्तिष्क में शब्द छुट्टी कम हो जाता है स्राव कार्टिसोल का और बढ़ जाती है गुणवत्ता नींद की
अति आवश्यक काम
या आपात स्थिति में
ली गई छुट्टी
नहीं उतरती खरी
छुट्टियों की मूल अवधारणा पर इसलिए नहीं रखती मायने खास मन मस्तिष्क के लिए,
लेना चाहती हूं अब मैं छुट्टी घर, स्कूल या ऑफिस से नहीं बल्कि जिंदगी से कम से कम तब तक न जग जाए जीने की चाहत जब तक...।

और उन्होंने एक लय में काम से छुट्टी से लेकर स्कूल, घर, ऑफिस की छुट्टी का जिक्र करते हुए जिंदगी यानी कि जीने की चाहत तक से छुट्टी मांग ली। उस समय पूरा हाल एक ही फरियादी पर केंद्रित हो गया। डीएम ने साहित्यकार की रचना की प्रशंसा की और हारकर निराश होने की बजाय संघर्ष करके आगे बढ़ने की नसीहत भी दी।

चिकित्सक की सोशल आइडी पर अश्लील संदेश भेजा, मुकदमा हुआ दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां निवासी चिकित्सक सीता यादव और एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति की प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। सीता यादव ने बताया कि रविवार रात करीब 11 बजे उसकी फेसबुक आईडी पर शिवशांत दीक्षित नामक व्यक्ति ने उसके सम्मान के विरुद्ध अश्लील पोस्ट की है और उस चिकित्सक को भी धमकी दी है कि पुखरायां में तुम्हें अस्पताल नहीं चलाने देंगे। अतिरिक्त निरीक्षक जीतेंद्र कुमार ने बताया शिवशांत दीक्षित के विरुद्ध आइटी एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज की गई है।

शिकायतों के निस्तारण में कानपुर रेंज पुलिस का फिर बजा डंका

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रेंज की धरती में तैनात तेजतर्रार,कर्तवनिष्ठ और बेहद न्यायप्रिय चर्चित आईपीएस अफसर एवं आईजी जोगेंदर कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण त्वरित निस्तारण हेतु संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (ह्लव्रऋ)पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की शासन द्वारा की गई माह मार्च-2025 की नवीन मासिक मूल्यांकन समीक्षा में कानपुर रेंज पुलिस को प्रदेश में फिर प्रथम रैंक प्राप्त हुई है।

आईजी जोगेंदर कुमार द्वारा बताया गया कि आईजीआरएस,जनसुनवाई पोर्टल पर महा मार्च 2025 में जो शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये उनका शासन की मंशानुरूप नियत समय में विधिक निस्तारण किया गया जिससे आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली महा मार्च वर्ष 2025 के मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के परिक्षेत्रों की रैंकिंग में कानपुर परिक्षेत्र लगातार आठवी बार प्रथम रैंक प्राप्त की है एवं कानपुर रेंज में आने वाले समस्त जनपद कानपुर देहात,औरैया,इटावा,कन्नौज और फर्रुखाबाद के थानों पर कार्यरत आईजीआरस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे तथा जिन थानों का जन शिकायतों के निस्तारण में प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है उनके कार्यों की समीक्षा की जायेगी.

अयोध्याः डीएम ने किया श्री राम जन्मोत्सव 2025 का पोस्टर विमोचन

4-5 अप्रैल को राम कथा पार्क में होगा भव्य आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या में आगामी 4 एवं 5 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाले श्री राम जन्मोत्सव 2025 के भव्य कार्यक्रम की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 12:00 बजे उत्सव के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना अधिकारी श्री संतोष कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे। उन्होंने आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राम कथा पार्क में दो दिवसीय यह उत्सव धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिविधियों से परिपूर्ण होगा।जिलाधिकारी ने बताया कि यह आयोजन अयोध्या की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाने के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगा। कार्यक्रम में भजन संध्या, रामलीला मंचन, दीप प्रज्ज्वलन, संत समागम तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी। जन्मोत्सव के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, जल व्यवस्था,

स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजन समिति द्वारा पोस्टर के माध्यम से आमजन से आयोजन में सम्मिलित होने की अपील की गई है। श्री राम जन्मोत्सव 2025 अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने व संजोने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नोवा ग्रेस हॉस्पिटल संचालक ने अधिवक्ता से मांगी माफी

» हॉस्पिटल के संचालक अशोक पाल ने अकबरपुर तहसील पहुंचकर अधिवक्ताओं के सामने स्वीकार की गलती

» मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ हुई थी अभद्रता

संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर में माती रोड स्थित नोवा ग्रेस हॉस्पिटल में मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ अभद्रता का मामला गर्माया तो अस्पताल संचालक को माफी मांगनी पडी। तहसील में अधिवक्ताओं के सामने संचालक अशोक पाल ने गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसा नहीं करने का संकल्प लिया। इसके बाद मामला खत्म हो गया।

नोवा ग्रेस हॉस्पिटल संचालक ने अधिवक्ता से की अभद्रता

» माती रोड स्थित निजी अस्पताल नोवा ग्रेस हॉस्पिटल संचालक डा0 अशोक पाल की गुंडई आई सामने

» मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ मारपीट की कोशिश

» अकबरपुर कोतवाली में पीडित अधिवक्ता ने दिया प्रार्थना पत्र

संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।कानपुर देहात जिले में बिना मानक और नियम कायदों के गली गली खुल रहे अस्पताल इलाज के नाम पर गुंडागर्दी पर भी अमादा है। अकबरपुर में माती रोड स्थित नोवा ग्रेस हॉस्पिटल में मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ अभद्रता की गई और मारपीट की कोशिश की गई। पीडित अधिवक्ता ने अकबरपुर पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

अकबरपुर कस्बा के वार्ड नंबर 5 दीन दयालनगर निवासी राघवेंद्र दुबे सदर तहसील में अधिवक्ता के तौर पर कार्य करते हैं। स्थानीय पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि 20 फरवरी 2025 को घर के बाथरूम में फिसल जाने के कारण मां रानी देवी के हाथ में चोट लग गई थी। इसपर मां माती रोड स्थित नोवा ग्रेस अस्पताल में दिखवाया। मौजूद डॉक्टर अशोक पाल ने डिजिटल एक्सरे करवाकर बताया कि फेक्चर हो गया है और आपरेशन करना पडेगा। इसके बाद 4 मार्च 2025 को भर्ती करके उनका आपरेशन किया गया। 6 मार्च को आपरेशन के बाद यह कहकर डिस्चार्ज कर दिया गया कि समय समय पर आकर ड्रेसिंग कराते रहें। इसपर 29 मार्च को ड्रेसिंग के लिए नोवा ग्रेस हॉस्पिटल गया। यहां पर स्टाफ ने हाथ से पटटी हटाई और कहा कि इसमें 3 तार डाले गए थे लेकिन 2 दिख रहे हैं। इसपर राघवेंद्र ने यह बात संचालक डा. अशोक पाल को बताई लेकिन उन्होने कुछ नही सुना। आरोप हैं कि अपनी बात रखने पर अस्पताल संचालक भडक गया और गाली गालौज करते हुए बाहर निकालने के लिए कहा। किसी तरह से वहां बचकर अपनी मां के साथ घर आ गया। पीडित ने बताया कि घटना के बाद से मां भी सदमे हैं और स्वयं भी परेशान है। इस संदर्भ में अकबरपुर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया है वहीं, अस्पताल संचालक ने स्वराज इंडिया संवाददाता से फोन पर बताया कि अधिवक्ता राघवेंद्र दुबे के द्वारा गलत आरोप लगाए जा रहे हैं, ऐसी घटना नहीं हुई है।

पुलिस चाहती है समझौता, अधिवक्ता संघ नाराज

पीडित राघवेंद्र ने बताया कि पुलिस को प्रार्थनापत्र दिया गया था, इसपर स्थानीय पुलिस ने कहा था कि अस्पताल संचालक माफी मांग लेगा। वहीं, अकबरपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने घटना को लेकर आपस में चर्चाकर रणनीति बनाई है। कहा कि अधिवक्ता के साथ अगर बडी घटना हो जाती तब क्या होता, इस तरह से मामले में मुकदमा लिखने को लेकर बात हुई है।

FOLLOW UP

आपको बता दें कि, अकबरपुर कस्बा के वार्ड नंबर 5 दीनदयालनगर निवासी राघवेंद्र दुबे सदर तहसील में अधिवक्ता के तौर पर कार्य करते हैं। उन्होने स्थानीय पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कहा था कि 20 फरवरी 2025 को बाथरूम में फिसल जाने के कारण मां रानी देवी के हाथ में चोट लग गई थी। मां को माती रोड स्थित नोवा ग्रेस अस्पताल में दिखवाया। यहां मौजूद अस्पताल संचालक अशोक पाल ने डिजिटल एक्सरे करवाकर बताया कि फेक्चर हो गया है और आपरेशन करना पडेगा।

इसके बाद 4 मार्च 2025 को भर्ती करके उनका आपरेशन किया गया। 6 मार्च को आपरेशन के बाद यह कहकर डिस्चार्ज कर दिया गया कि समय समय पर आकर ड्रेसिंग कराते रहें। इसपर 29 मार्च को ड्रेसिंग के लिए नोवा ग्रेस हॉस्पिटल गया। यहां पर स्टाफ ने हाथ से पटटी हटाई और कहा कि इसमें 3 तार डाले गए थे लेकिन 2 दिख रहे हैं। इसपर अधिवक्ता राघवेंद्र ने यह बात संचालक अशोक पाल को बताई। अपनी बात रखने पर अस्पताल संचालक भडक गया और अभद्र व्यवहार करते हुए बाहर निकालने के लिए कहा। इस घटना से मां और उसके सम्मान में ठेस पहुंची। इस संदर्भ में अकबरपुर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया था लेकिन अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव सहित अन्य अधिवक्तागणों की उपस्थिति में संचालक ने आकर माफी मांग ली है। इस लिए मामला खत्म कर दिया है। वहीं, अधिवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि यदि किसी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी हो तो उसे माफ कर देना चाहिए।

मलासा में ही बंद पड़ा राजकीय नलकूप, किसान परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार किसानों के लिए नए नए तरीके ओर किसानो को कोई समस्या न हो इसके लिए लाख प्रयास कर रही है।लेकिन लापरवाह अफसरों से किसानो के अरमानों में पानी फिरता नजर आ रहा है। किसानो अपनी बात बार बार कहने को मजबूर है लेकिन कोई सुनने वाला भी नहीं है। विकास खंड मलासा के ग्रामसभा में लगा राजकीय नलकूप डीपी संख्या 45 पिछले कई दिनों खराब बंद पड़ा है। विभागीय कर्मियों को सूचना देने के बावजूद अभी तक इसे ठीक नहीं कराया गया है। स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता ने जब जिम्मेदार अधिकारी से संपर्क किया उन्होंने जल्द ही सही करने का भरोसा दिया है। राजकीय नलकूप के बंद होने से किसान निजी नलकूप से महंगे दामों पर सिंचाई करने को विवश हैं।

» मलासा गांव के डीपी संख्या 45 का मामला

मलासा गांव में पिछले एक दिनों से राजकीय नलकूप बंद है। किसी तरह से किसानों की गेहूं की फसल हो गई। इस समय अब मूंग बोआई के लिए पानी की आवश्यकता है। किसान महंगे दामों पर निजी नलकूप से मजबूरी में सिंचाई करवा रहे हैं। वही मिस्त्री से किसानो ने अपनी बात रखी थी।लेकिन मिस्त्री ने किसानों की बात उच्चाधिकारियों तक नहीं भेजा है। जिससे इस विषय पर उनको जानकारी नहीं थी। स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता ने अधिकारियों से बात कर किसानो की समस्या से अवगत कराया गया,क्षेत्र के दर्जनों किसान इसी नलकूप के भरोसे प्रगति सील किसान सब्जी की खेती करते हैं। नलकूप सुचारू रूप से नहीं चलने के कारण किसानों का आर्थिक नुकसान हो रहा है।किसान राजेश ,रवि, नरेश,चमन, चंद्रमोहन, वीरपाल,आदि ने बताया कि नलकूप बंद होने से सिंचाई करने में बड़ी परेशानी हो रही है। निजी ट्यूबवेल से सिंचाई करना पड़ रहा है, जो कि बहुत महंगा पड़ता है। राजकीय नलकूप कई दिनों से खराब पड़ा है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी.....

जल्द ठीक होंगे नलकूप विभाग के जेई संतोष पाल ने बताया कि राजकीय नलकूप की पहले मोटर जल गई थी। इसके बाद उसकी मरम्मत कराई गई थी। दोबारा तकनीकी टीम भेज कर राजकीय नलकूपों की कमियां दूर कर सुचारू रूप से संचालित कर दिया जाएगा।

कॉरिडोर की तरह विकसित होगा लोधेश्वर महादेवा धाम

खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा के प्रयास से भव्य और सुंदर बनेगा महादेव मंदिर

संवाददाता स्वराज इंडिया

सूरतगंज(बाराबंकी)। जिले के लोधेश्वर महादेवा धाम मंदिर को लेकर शुरू से ही संजीदा रहे जिले के खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा का प्रयास आखिर कार परवान चढा , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोधेश्वर महादेव कारीडोर को लेकर सतीश चंद्र शर्मा और पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी की पहल पर अपनी एक और मुहर लगा दी।

» योगी शासन से 48 करोड़ रूपये की मंजूरी मिल गई है

सूरतगंज से हेतमापुर रोड के चौड़ीकरण को भी मंजूरी

इस संबंध में अधिशासी अभियंता निर्माण खंड-3 राजीव राय ने जानकारी देते हुए बताया कि काफी समय से सूरतगंज से हेतमापुर रोड बहुत ही जर्जर थी जो अब 13 किमी लंबा व 7 मीटर चौड़ा निर्माण किया जाना है। इस परियोजना के लिए 44 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसके अंतर्गत 15 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। जल्द ही इस सड़क से आवागमन करने वाले राहगीरों को इससे मिजाज मिलेगी। निर्माण कार्य को प्रारंभ है।

यही कारण है कि अब आने वाले समय में काशी कारीडोर की तर्ज पर महादेवा कारीडोर बनने का सपना एक बड़ा आकार रूप लेने जा रहा है। इसके लिए शासन स्तर पर बजट को

मंजूरी मिलने के बाद अब मंदिर के पुनरुद्धार और पर्यटन क्षेत्र में असीम सम्भावनाओं के अवसर त्रिकसित होगें।

इससे रामनगर सहित जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर बढेगें। यही नहीं इस धार्मिक स्थल को कारीडोर के रूप में विकसित किया जायेगा। जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री की मंशा को भागते हुए लोधेश्वर महादेव को कारीडोर के रूप में विकसित करने के लिए लम्बे समय से इसे अपनी प्राथमिकता में रखकर प्रयास किया। इसी सदप्रयासों का प्रतिफल है कि शासन से 48 करोड़ रूपये की मंजूरी मिल गई।

अब जिते का ही नहीं रामनगर के विकास को भी पंख लगेगे। इसके तहत प्रमुख मार्गों को आधुनिक एवं सुगम बनाने के लिए करोड़ों रुपये की स्वीकृति के साथ काम को तेजी से गति देने की योजना है। यही नहीं नहीं मुख्य मार्ग अयोध्या हाइवे से असेनी तिराहा मोड़तक नौ से मीटर एवं असेनी तिराहा मोड़ से बाराबंकी शहर (पुराना हाइवे) तक 4.100 किमी सड़क के

चौड़करण और डिवाइडर निर्माण के लिए 04 करोड़ 33 लाख तथा 29 करोड़ 71 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई है।

लोधेश्वर महादेवा मंदिर के समेकित पर्यटन विकास हेतु 48 करोड़ मंजूर

रामनगर तहसील स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा मंदिर को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार ने 48 करोड़ रुपये को स्वीकृति प्रदान की है। इसके तहत कंस्ट्रक्शन एड डिजाइन सर्विसेज (उत्तर प्रदेश जल निगम) लखनऊ को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। व्यय वित्त समिति द्वारा मूल्याकित लागत 48.79 करोड़ रुपये को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। परियोजना की प्रथम किश्त के रूप में 8 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी पहुंचे गोसाईगंज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मलूकपुर गांव में स्थित कम्पोसिट विद्यालय में पाठ्य पुस्तक सामग्री वितरण व स्मार्ट क्लासेज का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री के सलाहकार ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके व वर्तमान में मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे अवनीश अवस्थी गुरुवार को गोसाईगंज के कम्पोजिट विद्यालय मलूकपुर पहुंचे ।जहां उन्होंने स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को स्कूल बैग व पाठ्य पुस्तक सामग्री वितरित करने के साथ ही विद्यालय के स्मार्ट क्लासेज का उद्घाटन किया और नाव प्रवेशित बच्चों को रोली टीका लगाने के साथ ही उनका माला पहनाकर स्वागत किया ।श्री अवस्थी ने

अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में ध्यान देने की बात कहते हुए छात्र छात्राओं से कहा कि आप लोग खूब मन लगाकर पढाई करें जिससे आप लोग भी अच्छे पदों पर पहुंचे ।साथ ही उन्होंने बच्चों को विद्यालय से अनुपस्थितन न होने की कहीं ।इस बारे में उन्होंने बताया कि हम खुद पढ़ाई के समय कभी भी विद्यालय सेअनुपस्थिनही होते थे ।मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना करते हुए केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता के हितों में चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए बच्चों से खूब पढ़ाई करने की बात कही ।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राम प्रवेश भाजपा अर्जुनगंज के मण्डल प्रभारी शिव कुमार रावत ग्राम प्रधान संजय रावत सहित विद्यालय के अध्यापकगण व अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस महकमे की चर्चित डॉग डायना की मौत

पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा डायना के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। पुलिस के डॉग स्क्वायड में ट्रैकर के पद तैनात डायना (फीमेल) के स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण दुःखद निधन हो जाने पर रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित शहीद स्मारक स्थल में पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा डायना के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ. अखिलेश नारायण सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार व हे0का0 डॉग हैण्डलर कपिल अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वक्फ संशोधन विधेयक भ्रष्टाचार, कब्जों से दिलाएगा मुक्ति: योगी

उप मुख्यमंत्री ने की सराहना, बताया ऐतिहासिक कदम

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का पारित होना वक्फ संपत्तियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के साथ ही अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बधाई देते हुए योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के साथ ही वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जों और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने में कारगर सिद्ध होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश की संप्रभुता को सुदृढ़ करते इस लोक-कल्याणकारी प्रयास हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का कोटिश आभार।'' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस कदम की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला और मोदी के नेतृत्व में एक बड़ा सुधार बताया। उन्होंने 'एक्स' पर

पोस्ट कर कहा, लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पास होने पर देश के उन गरीब मुस्लिम परिवारों को बधाई, जिन्हें इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा।

बिल पास होने के बाद लखनऊ में हाई अलर्ट

लखनऊ में मुनव्वर राना की बेटियां हाउस अरेस्ट

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लोक सभा और राज्यसभा में वक्फ बिल पास होने के बाद पूरे प्रदेश में अलग-अलग जगह पर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कई जगह इस बिल का विरोध भी किया जा रहा है। इसी बीच राजधानी में बीच शायर मुनव्वर राणा की दोनों बेटियां सुमैया राणा और उरूसा राणा को लखनऊ पुलिस की ओर से हाउस अरेस्ट किया गया है। सुमैया राणा के आवास पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है।

आपको बता दें कि पुलिस को आशंका थी कि सुमैया राणा बाहर जाकर प्रदर्शन या भीड़ इकट्ठा कर सकती हैं। इसी वजह से आज उन्हें

उनके घर पर रोका गया था। हालांकि इस दौरान पुलिस और सुमैया राणा के बीच जमकर नोकझोक हुई। सुमैया राणा का कहना है कि घर के बाहर तैनात हुए पुलिसकर्मी के पास किसी भी प्रकार का लिखित में कोई आदेश नहीं है, जो हमें वो दिखा सकें। अफवाह की बुनियाद पर घर के बाहर लखनऊ पुलिस पहरा दे रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत मंझार विकास खण्ड त्रिवेदीगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 03.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन, अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय, सीएचसी सेंटर, अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम, कायाकल्प एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. इंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध हैं तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 18.04.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 19.04.2025 समय अपराह्न 02:00 बजे।

सतीश कुमार
ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. मंझार, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

प्रफुल्ल कुमार वर्मा
सचिव
ग्रा. पं. मंझार, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत बहुता विकास खण्ड त्रिवेदीगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 03.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)/एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन, अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय, सीएचसी सेंटर, अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम, कायाकल्प, एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 18.04.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 19.04.2025 समय अपराह्न 02:00 बजे।

देवी प्रसाद
ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. बहुता, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

संयम मिश्रा
सचिव
ग्रा.पं. बहुता, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी